Paper - III

MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - III

Time : 2 Hours **(Pages 7)** **Max. Marks : 50**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।
(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 - गद्य

12 अंक

प्रश्न 1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

नगर के सबसे बड़े सेठ से जब किसी ने साधु का जिक्र किया, तो वह अविश्वास से हँस पड़ा । बोला, ''ऐसे ढोंगी जाने यहाँ कितने आते रहते हैं !'' और वह अपने कारोबार में लगा गया । साधु का नाम चारों ओर फैलता जा रहा था । साधु भी कभी - कभी सोचता कि अब फिर बहुरूपिया जीवन में लौटने में क्या रखा है, क्यों न इसी जीवन में अपनी जिंदगी लगा दी जाए । फिर उसका मन धिक्कारने लगता कि वह जिंदगी भर साधु बना रहा, तो अपने असली पेशे के साथ बेईमानी करेगा । इसी सोच - विचार में उसके दिन निकलने लगे ।

एक बार सेठ की पत्नी बहुत बीमार हो गई । दुनिया भर के इलाज कराए गए, वैद्य - डॉक्टर बुलाए, लेकिन सेठानी की तबीयत ठीक ही नहीं हुई । उसे लगता था कि वह अब नहीं बचेगी । मित्रों और शुभचिंतकों ने सलाह दी कि एक बार उस साधु को दिखा देने में क्या हानि है । हारकर सेठ तैयार हो गया । साधु ने जब दूर से सेठ को बहुत प्रसन्न हो गया । नगर का सबसे बड़ा करोड़पति उसके यहाँ आ रहा था । आगे - आगे सेठ और फिर डोली में बीमार सेठानी । उसने जाकर साधु के चरण पकड़ लिए - ''महाराज, जैसे भी हो सेठानी को जीवनदान दीजिए । यह मेरे घर लक्ष्मी है । इसी के कारण यह करोड़ों की संपत्ति आई है । जिस दिन से इसने मेरे यहाँ पाँव रखा है, मैंने जिस का में हाथ लगाया, उसमें लाभ ही हुआ है । अगर इसे कुछ हो गया तो मैं किसी काम का नहीं रहूँगा ।''

(1) (i) **निम्नलिखित विधान सही करके लिखिए।** 1
(I) एक बार सेठ जी बीमार हो गए।
(II) बड़ी प्रसन्नता से सेठ साधु को मिलने गया।

(ii) **गद्यांश पढ़कर ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों -** 1
(I) सेठ (II) सेठानी

(2) (i) **गद्यांश में से शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए।** 1

(I) .... (II) ....

(ii) **वचन बदलिए।** 1

(I) सेठानी (II) पेशा

(3) **'क्या कोई साधु बीमार व्यक्ति को स्वस्थ करने की शक्ति रखता है।' विधान को वर्तमान समय के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।** 2

प्रश्न 1 (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

''अरे वहीं अटके रहोगे, मुझसे बात नहीं करोग ? चिड़ियाँ तो मेरे ऊपर भी खेतली हैं, गाती - चहचहाती हैं । फिर मेरी उपेक्षा क्यों ?'' ''नहीं - नहीं, अमरूद भाई, तुम्हारी उपेक्षा मैं कैसे कर सकता हूँ । तुम तो इस आँगन में हरसिंगार से पहले के नागरिक हो । दरअसल, तुम दोनों ने मिलकर जो रूप मंडप बनाया हे, वह चिड़ियों का क्रीडा धाम है । तुम दोनों तो सटे हुए हो । चिड़ियाँ तुम्हारे ऊपर से उसके ऊपर, उसके ऊपर से तुम्हारे ऊपर आया - जाया करती हैं । उन्होंने तुम दोनों में कोई बँटवारा नहीं किया है और मैंने भी कहाँ किया हैं । तुम दोनों का अस्तित्व हम सबके लिए कुछ अधिक महत्त्वपूर्ण है । वसंत आते ही तुम्हारी भी विरल डालियाँ नई पत्तियों और टहनियाँ से सघन होने लगती हैं और हरसिंगार तो पावस में फूलना शुरू करता है न । तुम तो चैत लगते ही बौराने लगते हो । महकते हुए नन्हे - नन्हे, सफेद - सफेद फूलों से तुम्हारा वजूद जगमगा उठता है और छोटे - छोटे फल, फूलों के भीतर से बढ़ने - झाँकने लगते हैं । धीरे - धीरे तुम्हारे फलों में मिठास आने लगती है और आषाढ़ आते - आते चिड़ियों की चहचहाहट में तुम्हारे फलों की मिठास भर जाती है । वे तुम्हारी डाल - डाल पर नाच - नाचकर भोज महोत्सव मनाने लगती हैं और हम लोग भी तो तुम्हारे फलों का प्रसाद पाते रहते हैं । कितने बड़े - बड़े और मिठास भरे होते हैं तुम्हारे फल ।''

(1) **कृति पूर्ण कीजिए।** 1

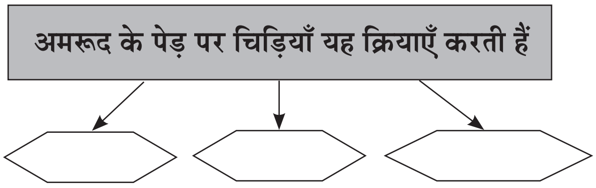

(ii) **निम्नलिखित गलत विधान सही करके लिखिए।** 1

(I) लेखक ने अमरूद के पेड़ की उपेक्षा की।

(II) शरद के आते ही अमरूद की विरल डालियाँ नई पत्तियों और टहनियों से सघन होने लगती हैं।

(2) (i) **निम्नलिखित शब्द में उचित उपसर्ग व प्रत्यय लगाकर नए शब्द तैयार कीजिए।** 1

(I) फल

(ii) **गद्यांश में से शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए।** 1

(I) .... (II) ....

(3) **'फूल-फल क्यों उगाने चाहिए?' अपने विचार लिखिए।** **2**

विभाग 2 - पद्य

प्रश्न 2 (च) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है,
शीतल - मंद - सुगंध पवन हर लेता श्रम है ।
षड्ऋतुओं का विविध दृश्ययुत अद्भुत क्रम है,
हरियाली का फर्श नहीं मखमल से कम है ।
शुचि सुधा सींचता रात में, तुझपर चंद्र प्रकाश है ।
हे मातृभूमि ! दिन में तरणि, करता तम का नाश है ।।

(1) (i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

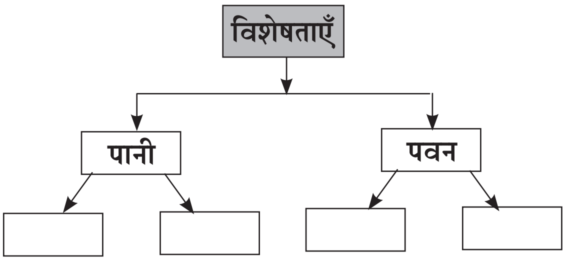

(ii) **समझकर लिखिए।** **1**

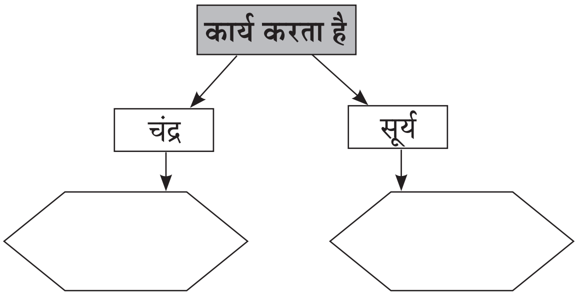

(2) **उपसर्ग व प्रत्यय लगाकर नए शब्द तैयार कीजिए।** **1**

(i) गंध

(3) **'छ: ऋतुओं ने भारत भूमि अर्थात हमारी मातृभूमि के सौंदर्य में चार चाँद लगा दिए हैं।' अपने विचार लिखिए।** **2**

प्रश्न 2 (छ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

सोहत है चँदवा सिर मोर को, तैसिय सुंदर पाग कसी है ।
वैसिय गोरज भाल बिराजत, जैसी हिये बनमाल लसी है ।।
'रसखान' बिलाकत बौरी भई, दृग मूँदि कै ग्वालि पुकार हँसी है ।
खोलि री घूँघट, खोलौं कहा, वह मूरति नैननि माँझ बसी है ।।

(1) (i) **संजाल पूर्ण कीजिए।** 1

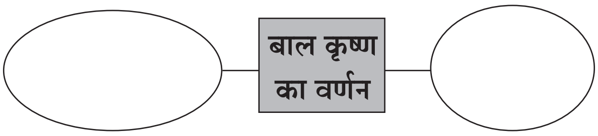

(ii) **निम्नलिखित शब्द पढ़कर ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों -** 1

(I) ग्वाले (II) कृष्ण

(2) **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।** 1

(i) भाल (ii) हिय

(3) **बाल कृष्ण की छबि देखकर अपने मन में आए विचारों को अभिव्यक्त कीजिए।** 2

विभाग 3 - व्याकरण विभाग

प्रश्न (3) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

(1) **निम्नलिखित शब्दों का मानकवर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द छाँटकर कीजिए ।** 1

(i) चिन्ह / चीह्न / चिह्न

(ii) इकठठा / इकठ्या / इकट्ठा

(2) **निम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** 1

(i) परंतु

(3) (i) **सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए।** 1

किसी प्राकृतिक मनोरम दृश्य को देखना चाहता हूँ। (अपूर्ण भूतकाल)

(ii) **निम्नलिखित वाक्यों के काल पहचानकर लिखिए।** 1

किसी दूसरे माँगने वालों की ओर इस तरह शान से बढ़ा देंगे।

(4) (i) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर सार्थक वाक्यों में प्रयोग कीजिए।** 1

बिना सिर-पैर की बातें करना

(ii) **निम्नलिखित वाक्यों के अधोरेखांकित शब्दसमूह के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए।** 1

(मन मारना, फूला न समाना, दंग रह जाना)

सर्कस की गुड़ियों के करतब देखकर दर्शक आश्चर्य चकित हो गए।

(5) (i) **निम्नलिखित संधि विच्छेद की संधि कीजिए और भेद लिखिए।** **1**

सु + आगत

(ii) **निम्नलिखित शब्दों का विच्छेद कीजिए और भेद संधि लिखिए।** **1**

यद्यपि

(6) (i) **रचना की दृष्टि से वाक्य के प्रकार बताइए।** **1**

आप उस गाँव में जाएँगे तो आपको उस खोए हुए आदमी की वहाँ स्थापित मूर्ति दिख जाएगी।

(ii) **निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ के अनुसार भेद लिखिए।** **1**

अधिक वर्षा के लिए कौन जिम्मेदार है ?

विभाग 4 - रचना विभाग

प्रश्न (4) (अ) अपने ग्राम/नगर/महानगर के संबंधित अधिकारी को बच्चों के खेलने के लिए बगीचा बनवाने हेतु पत्र लिखिए। **4**

(i) दिनांक : ....

प्रति

....

....

....

विषय : ....

विषय विवेचन : ....

....

....

....

....

भवदीय/भवदीया,

नाम : ....

पता : ....

....

ई-मेल आईडी : ....

अथवा

(ii) **आपके विद्यालय की सैर का वर्णन करने वाला पत्र अपनी सहेली या अपने मित्र को लिखिए। (पत्र निम्न प्रारूप में हों।)** **4**

दिनांक : ....

संबोधन : ....,

अभिवादन : ....

विषय विवेचन : ....

....

....

....

तुम्हारा/तुम्हारी

....

नाम : ......

पता : ....

ई-मेल आईडी : ....

प्रश्न (4) (आ)

(i) **निम्नलिखित सुवचन पर आधारित कहानी लिखिए।** **4**

एक हंस और एक कौए में मित्रता - हंस का कौए के साथ उड़ते जाना - कौए का दधिपात्र लेकर जाने वाले ग्वाले को देखना - ललचाना - कौए का दही खाने का आग्रह - हंस का इनकार - कौए का घसीटकर ले जाना - कौए का चोंच नचा - नचाकर दही खाना - हंस का बिलकुल न खाना - आहट पाकर कौए का उड़ जाना - हंस का पकड़ा जाना - परिणाम - शीर्षक।

अथवा

(ii) **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए। जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हो।** **4**

अभी अशांति की आवाज चारों ओर गूँज रही है। सभी अशांति का अनुभव कर रहे हैं, क्योंकि सभी आत्माएँ किसी न किसी भय के वशीभूत हैं। खा रहे हैं, चल रहे हैं, कमा रहे हैं, अल्पकाल की मौज भी मना रहे हैं; लेकिन भय के साथ नहीं मालूम, कल क्या होगा! सर्वत्र भय के सिंहासन हैं। जब नेता ही भय की कुर्सी पर बैठे हैं तो प्रजा की क्या स्थिति होगी! जितने बड़े नेता उतने अंगरक्षक होंगे, क्योंकि भय है न! तो भय के सिंहासन पर अल्पकाल की मौज क्या होगी ? शांतिमय या अशांतिमय ?

अविनाशी शांति हम आत्माओं का जन्मसिद्ध अधिकार है। हमारा स्वधर्म शांति है, हमारा स्वधाम शांतिधाम है और हमारा पिता परमात्मा शांति का सागर है। जब मानव प्रकृति और माया को जीतकर आणविक और आत्मिक दोनों शक्तियों का मिलन करा देगा तभी रचनात्मक शक्ति का उदय होगा और तभी शांतिमय दुनिया इस भूमि पर प्रत्यक्ष होगी।

प्रश्न (5) (अ) अपने विद्‌यालय में आयोजित की जानेवाली क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजक के नाते विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

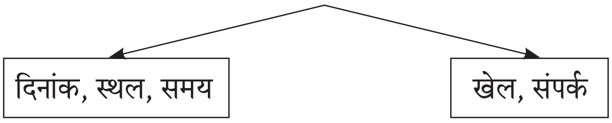

प्रश्न (5) (आ) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर ६० से ८० शब्द में निबंध लिखिए । **6**

(i) ‘मैं पंछी बोल रहा हूँ...’ इस विषय पर निबंध लिखिए।

(ii)

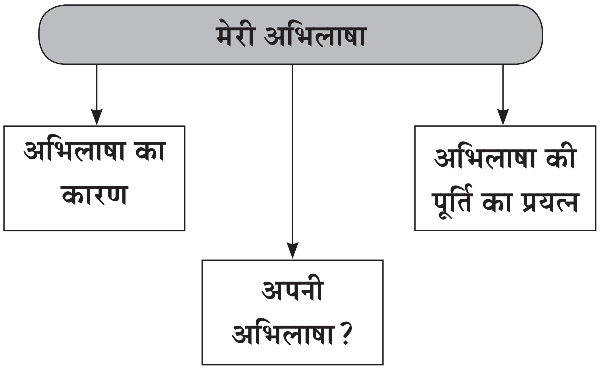

Best Of Luck